आईआईएमए में पीजीपी की 60वीं तथा एफ़एबीएम की 24वीं कक्षा के छात्रों का स्वागत; योग्य एवं मेधावी छात्रों के लिए अतिरिक्त छात्रवृत्तियों की घोषणा

- आईआईएमए के पूर्वछात्रों द्वारा 2 करोड़ रुपये की नई छात्रवृत्तियों का योगदान आईआईएमए अक्षय निधि के माध्यम से दिया गया
- 408 छात्र पीजीपी तथा 47 छात्र एफ़एबीएम में शामिल हुए

28 जून 2023: प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान – भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) में प्रबंधन में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजीपी) की 60वीं कक्षा और खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एफ़एबीएम) की 24वीं बैच के छात्रों का हाल ही में परिसर पर स्वागत किया गया। कुल मिलाकर, 455 उच्च प्रदर्शन वाले छात्रों का यह बैच है जो देश भर की विविध पृष्ठभूमि से आए हैं।

कैंपस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डीन (कार्यक्रम) प्रोफेसर प्रद्युम्न खोकले ने छात्रों का आईआईएमए में स्वागत किया। प्रोफेसर भरत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए; प्रोफेसर प्रद्युम्न खोकले, डीन (कार्यक्रम); प्रोफेसर अभिमान दास, अध्यक्ष (पीजीपी); प्रोफेसर विनीत विरमानी, अध्यक्ष (पीजीपी-एफ़एबीएम); प्रोफेसर एम.पी. राम मोहन, अध्यक्ष (प्रवेश); प्रोफेसर अंकुर सिंहा, अध्यक्ष (स्थानन); प्रोफेसर चिन्मय तुंबे, अध्यक्ष, खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा); प्रोफेसर नमन देसाई, छात्र आवास और कल्याण समिति के अध्यक्ष और गिरीश राजपुरोहित, महासचिव (छात्र कार्य परिषद) उपस्थित रहे और छात्रों के साथ बातचीत की।

अपने उद्घाटन भाषण में **आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर भरत भास्कर ने** कहा, "*आप आईआईएमए में अपना एक परिवर्तनकारी सफर शुरू कर रहे हैं, जो आपको एक ऐसा वातावरण प्रदान करेगा जो शिक्षा में प्रोत्साहित करेगा और आपके भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखेगा। जब आप दुनिया भर में अपने हजारों पूर्वछात्रों को उनकी बुद्धि, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ संगठनों का नेतृत्व करते हुए देखेंगे, तब आप भी अपना स्तर ऊँचा उठाएंगे। यह भी एक उपलब्धि है क्योंकि शुरुआत से ही आकांक्षी बनकर आप अपनी उम्मीदों से परे असाधारण उपलब्धियों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। आईआईएमए में अपना सफर शुरू करने पर आप सभी को मेरी शुभकामनाएँ।*

सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं आपसे नैतिकता के उच्च मानकों को बनाए रखने और सिद्धांतवादी होने के महत्व को समझने का आग्रह करता हूँ क्योंकि जब आप भविष्य में संगठनों या यहाँ तक कि दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं का नेतृत्व करेंगे तो ईमानदारी और सत्यनिष्ठा महत्वपूर्ण होगी।

मैं अपने आईआईएमए पूर्वछात्रों को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने योग्य और मेधावी छात्रों के लिए आईआईएमए अक्षय निधि के माध्यम से 30 नई छात्रवृत्तियाँ स्थापित करने में मदद की। हम भविष्य में योग्य छात्रों को संस्थान में शामिल होने में मदद करने के लिए इन छात्रवृत्तियों की संख्या बढ़ाने का इरादा रखते हैं।'

नए छात्रों को सलाह देते हुए **प्रोफेसर अभिमान दास, अध्यक्ष, पीजीपी, आईआईएमए** ने कहा, "आईआईएमए समुदाय एक विशेष समुदाय है। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि यह 110 से अधिक विश्व-प्रसिद्ध फैकल्टी से संपन्न है, और उनमें से लगभग सभी परिसर में ही रहते हैं। आपके शिक्षक के रूप में, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि आपकी शिक्षा कठोर, व्यापक और निरंतर हो। आईआईएमए में अपने सफर का अधिकतम लाभ उठाएँ और आईआईएमए में बने रहने के अपने उद्देश्य से कभी न डिगें। नम्र और विनयशील रहें, सभी गतिविधियों में भाग लें, टीम के खिलाड़ी बनना सीखें और जब भी आपको हमारी सहायता की आवश्यकता हो तब हमसे संपर्क करें। मैं आईआईएमए में आपके आगे के सफल सफर की कामना करता हूँ।'

प्रोफेसर विनीत विरमानी, अध्यक्ष, पीजीपी-एफ़एबीएम ने कहा, "पीजीपी-एफ़एबीएम संस्थान के सबसे पुराने दीर्घकालिक प्रबंधन पाठ्यक्रमों में से एक है, और इसे विशेष रूप से भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया था। इन वर्षों में, पीजीपी-एफएबीएम के पूर्वछात्र अपनी उपलब्धियों के माध्यम से भोजन, कृषि और संबंधित विज्ञान का अध्ययन करने वाले देश भर के युवाओं के लिए आदर्श बन गए हैं। हम आईआईएमए में पीजीपी-एफ़एबीएम की 2023-25 कक्षा का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, और आशा करते हैं कि यह बैच न केवल अपने शैक्षणिक प्रदर्शन और व्यवसायी उपलब्धियों के माध्यम से हमारी अपेक्षाओं को पार करेगा बल्कि छात्रों की भावी पीढ़ियों के लिए भी आदर्श बन जाएगा।

विविधता और समावेशिता

आईआईएमए में छात्रों के प्रवेश के लिए विविधता मुख्य आवश्यकताओं में से एक रही है क्योंकि यह कक्षा चर्चाओं को बढ़ाती है, सभी के विचारों और प्रथाओं में विविधता से शिक्षा और स्वीकृति का अवसर प्रदान करते हुए आपस की बातचीत में यह समृद्धि लाती है, समस्या-समाधान के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की खोज करती है, और छात्रों को वास्तविक विश्व वातावरण की स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए तैयार करते हुए समग्र शिक्षण को अधिक सर्वांगीण बनाती है। 2023-25 की पीजीपी कक्षा में विविध शैक्षिक, व्यवसायी, सामाजिक-आर्थिक और सभी लैंगिक पृष्ठभूमि से 408 योग्य छात्र शामिल हुए हैं। 2023-2025 पीजीपी बैच में 26 प्रतिशत फ्रेशर और 74 प्रतिशत अनुभवी उम्मीदवार शामिल हैं, जिनके पास चिकित्सा, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, पीएसयू, शिक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, सिविल सेवकों, गैर सरकारी संगठनों, रक्षा सेवाओं, गेमिंग, बैंकिंग, परामर्श, स्टार्ट-अप, कानून फर्म, आदि जैसे विविध कौशल और कार्य अनुभव हैं। बैच के लगभग 42 प्रतिशत में गैर-इंजीनियरिंग विषयों के छात्र शामिल हैं और इंजीनियरिंग से 58 प्रतिशत छात्र शामिल हैं। इस पीजीपी कक्षा में महिला छात्रों की संख्या 23 प्रतिशत है।

पीजीपी एफएबीएम बैच में 47 छात्र हैं, जिनमें सभी खाद्य और कृषि व्यापार के पृष्ठभूमि से हैं। पिछले वर्ष की महिला छात्राओं के 38 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष महिला छात्रों की संख्या 42 प्रतिशत हो गई है।

2023-2025 की पीजीपी कक्षा में बड़ी संख्या में दिव्यांग छात्र शामिल हुए हैं। संस्थान ने हमेशा समावेशी शिक्षा की अवधारणा की हिमायत की है और एक ईओओ (समान अवसर कार्यालय) की स्थापना की है जो दिव्यांग छात्रों के साथ उनकी विशेष जरूरतों को समझने के लिए सहयोग करता है और ऐप्पल आईपैड, ऑटोमोटिव व्हीलचेयर, विशेषीकृत सॉफ़्टवेयर, लैपटॉप के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरे और कैंपस में उनके छात्र जीवन के दौरान उनकी अन्य विशिष्ट आवश्यकताओं सहित कई सुविधाएँ प्रदान करता है।

छात्रवृत्तियों की संख्या में वृद्धि-आईआईएमए के पूर्वछात्रों से मजबूत समर्थन

मेधावी और योग्य छात्रों को समर्थन देने के मिशन को आगे बढ़ाते हुए आईआईएमए ने 2023-25 की आने वाली पीजीपी कक्षा के लिए 30 नई छात्रवृत्ति की घोषणा की है। आईआईएमए पूर्वछात्रों द्वारा आईआईएमए अक्षय निधि कार्यालय के माध्यम से छात्रवृत्ति का योगदान दिया गया है। पहले वर्ष की शुरुआत में और दूसरे वर्ष में छात्रों को 10 लाख रुपये वाली कुल 10 छात्रवृत्तियाँ और 5 लाख रुपये वाली एक के हिसाब से कुल बीस छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी।

ये छात्रवृत्तियाँ आईआईएमए के कई पूर्वछात्रों के योगदान और समर्थन के माध्यम से संभव हुईं, जो मेधावी छात्रों को आईआईएमए की विश्व स्तरीय शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में संस्थान के साथ निकटता से जुड़े हुए हैं। ये छात्रवृत्ति आईआईएमए अक्षय निधि के माध्यम से शुरू की गई है, जिसे 2020 में आईआईएमए पूर्वछात्रों के एक समूह द्वारा स्थापित किया गया है।

इन छात्रवृत्तियों के अलावा, संस्थान के पास विशिष्ट विषयों में अकादमिक और सर्वांगीण उत्कृष्टता और प्रदर्शन के लिए पुरस्कार के रूप में कई अन्य पुरस्कार हैं, जो या तो संस्थान, पूर्व छात्रों, या व्यक्तिगत और संगठनात्मक दाताओं द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

आईआईएमए के पीजीपी और एफ़बीएएम कार्यक्रमों को उनके संबंधित क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रमों में से एक माना गया है। पीजीपी को भारत और वैश्विक स्तर पर दुनिया के शीर्ष प्रबंधन कार्यक्रमों में स्थान दिया गया है। पीजीपी-एफ़एबीएम कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन 2022 में मास्टर रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। इन दोनों कार्यक्रमों के पूर्वछात्रों ने जीवन के कई क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। आज, आईआईएमए पूर्वछात्रों के नेटवर्क में दुनिया भर के लगभग हर देश में स्थित 40,000 से अधिक व्यवसायी शामिल हैं।

आईआईएमए के पूर्वछात्र अपने मातृ संस्थान से निकटता से जुड़े हुए हैं और कई तरीकों से संस्थान का समर्थन करते हैं। आईआईएमए अक्षय निधि ने मेधावी और योग्य छात्रों को समर्थन देने, केंद्रों और अनुसंधान अध्यक्षों के माध्यम से अनुसंधान को बढ़ावा देने, बुनियादी ढाँचे की स्थापना करने, कई सामाजिक सामुदायिक परियोजनाओं का समर्थन करने आदि के लिए धन जुटाकर संस्थान के भविष्य के विकास का समर्थन करने की उनकी पहल के परिणामस्वरूप आकार लिया। सबसे महत्वपूर्ण बात

यह है कि आईआईएमए पूर्वछात्र नेटवर्क छात्रों को मार्गदर्शन और समर्थन देने और साथी पूर्वछात्रों की मदद करने के लिए एक बेहतरीन चैनल है।

आईआईएमए देश और दुनिया में प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी रहा है। हमारे असाधारण शिक्षाशास्त्र, भागीदारी की विशिष्ट भावना और विश्व स्तरीय पाठ्यक्रम के मूलभूत सिद्धांतों के निरंतर पालन के साथ-साथ गतिशील रूप से बदलते आर्थिक संदर्भ को अपनाने के साथ, हम एक शीर्ष प्रबंध संस्थान बने हुए हैं।

आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्तायुक्त अनुसंधान, भविष्य के अग्रणियों का पोषण, उद्योग, सरकार और सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव उत्पन्न करने के माध्यम से छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए स्वीकृति मिली हुई है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जगत द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से, यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ एक बड़ा नेटवर्क है और दुबई में भी इसकी उपस्थिति है। इसके प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और 40,000 से अधिक पूर्वछात्र, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं, आदि भी इसकी वैश्विक मान्यता में योगदान करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाज़ार-संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह EQUIS (ईक्विस) से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बना हुआ है। संस्थान को भारत सरकार की *राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क* (एनआईआरएफ), भारतीय रैंकिंग 2023 में भी प्रथम स्थान पर रखा गया है। *फाइनेंशियल टाइम्स* (एफ़टी) एक्जीक्यूटिव एजुकेशन रैंकिंग 2023 में संस्थान को भारत में नंबर 1, एशिया में नंबर 2 और विश्व स्तर पर 35वाँ स्थान दिया गया है। संस्थान ने हाल ही में घोषित *बीटी-एमडीआरए* भारत की सर्वश्रेष्ठ बी-स्कूल 2023 रैंकिंग सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रबंधन में प्रसिद्ध दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजीपी) को *एफ़टी मास्टर्स इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2021* में 26वाँ स्थान दिया गया है और कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पीजीपीएक्स) को *एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2022* में 62वाँ स्थान दिया गया है।

आईआईएमए व्यापारिक नेताओं, नीति निर्माताओं, उद्योग व्यवसायियों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र सेनाबलों के कर्मियों, कृषि-व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ और उद्यमी के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएँ और 200 से अधिक अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। आईआईएमए के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया इस लिंक पर देखें: https://www.iima.ac.in/

For media queries, please contact:

Kamla Chowdhry Communications Hub, IIMA

Varshaa Ratnaparke| vp-communications@iima.ac.in
Sunitha Aravind | pr@iima.ac.in | +91-8450 900 643